

परमेश्वर मुझसे 28 तरीकों से प्रेम करता है

बच्चों के लिए बाइबल

पाठ 1

मैं पढ़ सकता हूँ

पवित्र शास्त्र की हर बात परमेश्वर की ओर से है और यह सिखाने और लोगों को यह दिखाने के लिए उपयोगी है कि उनके जीवन में क्या गलत है।”

— 2 तीमथियुस 3:16

अगर आप अपने दोस्त को कुछ बताना चाहते हैं, तो आप क्या करते हैं?

बिल्कुल सही। आप उसके पास जाते हैं और कहते हैं, “अरे, मैं तुम्हें कुछ बताना चाहता हूँ।”

फिर आप उसे कोई मजेदार कहानी बताते हैं, कोई गुप्त बात धीरे से कहते हैं, या उसे बताते हैं कि आज आपने स्कूल में क्या सीखा। यह बहुत अच्छा लगता है।

लेकिन अगर आपका दोस्त बहुत दूर रहता हो तो क्या होगा?

अगर वह किसी दूसरे राज्य या किसी दूसरे देश के शहर में चला जाए तो क्या होगा?

चित्रों को देखिए और उस चीज़ पर गोला लगाइए जिसका उपयोग आप दूर रहने वाले अपने दोस्त से अपने विचार साझा करने के लिए करेंगे।

हो सकता है, आप तीनों चीज़ों का उपयोग करें।

जब यीशु इस धरती पर रहते थे, तो वे लोगों से आमने-सामने बात करते थे। वे उनके पास जाकर कहते थे, “नमस्ते। तुम कैसे हो? क्या तुम आज खुश हो?”

तब लोग कहते, “ओह, मैं आज बीमार हूँ,” या “ओह, मैं आज अकेला हूँ,” या “ओह, मुझे समझ नहीं आ रहा कि अपनी बड़ी समस्या के साथ क्या करूँ।”

यीशु धीरे-धीरे अपना सिर हिलाते, एक पल सोचते और फिर उनसे कुछ दयालु और प्रेम भरी बातें कहते।

वे उनकी बीमारी को ठीक करते।

वे उनके दोस्त बन जाते, ताकि वे फिर अकेले न रहें।

वे उनकी समस्या के बारे में उनसे तब तक बात करते, जब तक वे यह तय नहीं कर लेते कि उन्हें क्या करना है।

यीशु को लोगों से बात करना बहुत अच्छा लगता था।

यहाँ यीशु को किसी से बात करते हुए चित्र बनाइए।

शायद वह कोई बीमार व्यक्ति हो जो बिस्तर पर लेटा हो, या फूलों के खेत में अकेला बैठा हो।

शायद वह नाव में बैठा कोई व्यक्ति हो।

आप तय कीजिए कि यीशु कहाँ बात कर रहे हैं:

अब यीशु स्वर्ग में रहते हैं। लेकिन वे अभी भी हमसे बात करना चाहते हैं। वे अभी भी हमें बताना चाहते हैं कि जब हम बीमार हों तो कैसे ठीक हो सकते हैं। वे अभी भी हमारी समस्याओं में हमारी मदद करना चाहते हैं। वे अभी भी हमें दिखाना चाहते हैं कि वे हमारे मित्र हैं।

वे ऐसा कैसे करते हैं?

क्या वे इसका उपयोग करते हैं?

क्या वे इसका उपयोग करते हैं?

क्या वे हमें एक पत्र लिखते हैं?

रिंग! बीप!

मजेदार बातें

सबसे बड़ी बाइबल:

जब वेनाई बाइबल को खोला जाता है, तो उसकी ऊँचाई 43.5 इंच और चौड़ाई 98 इंच होती है।

बंद करने पर, उसकी जिल्द की मोटाई 34 इंच होती है।

इस किताब में 8,048 पृष्ठ हैं और इसका वजन 1,094 पाउंड है!*

हाँ! बाइबल हमारे लिए परमेश्वर का पत्र है!

यह यीशु का स्वर्ग से हमसे बात करना है!

आपके लिए

परमेश्वर का प्रेम

अपनी बाइबल का चित्र बनाइए। बाइबल के कवर पर “पवित्र बाइबल” शब्द जरूर लिखें।

अगर आप चाहें, तो चित्र में कुछ फूल या तितलियाँ भी बना सकते हैं।

या आप खुद को बाइबल पढ़ते हुए बना सकते हैं।

चित्र के नीचे ये शब्द लिखें:

“मेरे लिए परमेश्वर का पत्र।”

मेरी बाइबल

क्या आप बाइबल के बारे में और जानना चाहेंगे? परमेश्वर के इस अद्भुत पत्र के बारे में और जानने के लिए नीचे दिए गए बाइबल वचनों में खाली जगह भरिए। इन शब्दों को इस पाठ के पुस्तकालय भाग में खोजिए। बस वही बाइबल वचन देखिए:

जब आप बाइबल में यीशु के वचन पढ़ते हैं, तो यीशु कहते हैं कि आपको क्या मिलेगा?

“तुम्हारे _____ सब यहोवा से सिखाए जाएँगे। और उन्हें बहुत _____ मिलेगा।”
(यशायाह 54:13)

बाइबल में यीशु क्या देने का वादा करते हैं?

“मेरे पास _____, तुम सब जो _____ हो और भारी _____ उठाए हुए हो। मैं तुम्हें _____ दूँगा।”
(मत्ती 11:28)

“मैं तुम्हें _____ देता हूँ। ... घबराओ मत।”
(यूहन्ना 14:27)

“मैं तुम्हें _____ लौटा दूँगा। और मैं तुम्हारे _____ को _____ करूँगा।”
(यिर्मयाह 30:17)

मेरी प्रार्थना

यीशु, धन्यवाद कि आप हर दिन मुझसे बात करना चाहते हैं।

मैं अपनी बाइबल में आपके वचनों को खोजूँगा और जब मैं चर्च या स्कूल में आपके बारे में कोई कहानी सुनूँगा, तब भी आपके वचनों को खोजूँगा।

मैं हमेशा के लिए आपका मित्र बनना चाहता हूँ।

आमीन।

परमेश्वर मुझसे 28 तरीकों से प्रेम करता है

पुस्तकालय 1

“तुम्हारे सभी बच्चे यहोवा से सिखाए जाएँगे। और उन्हें बहुत शांति मिलेगी।”
(यशायाह 54:13)

“मेरे पास आओ, तुम सब जो थके हुए हो और भारी बोझ उठाए हुए हो। मैं तुम्हें विश्राम दूँगा।”
(मत्ती 11:28)

“मैं तुम्हें शांति देता हूँ। ... डरो मत।”

(यूहन्ना 14:27)

“मैं तुम्हें फिर से स्वस्थ करूँगा। और तुम्हारे घावों को ठीक करूँगा।”

(यिर्मयाह 30:17)

मेरी मित्र एलेन ने लिखा

जब एलेन व्हाइट छोटी लड़की थीं, तो वे परमेश्वर के बारे में जितना हो सके उतना सीखना चाहती थीं। इसलिए उन्होंने यीशु से कहा कि वे उनके हृदय में आएँ और उनके शिक्षक बनें।

बड़ी होने के बाद एलेन ने जो पुस्तकें लिखीं और सेवेंथ-डे एडवेंटिस्ट चर्च को शुरू करने में मदद की, उनके द्वारा परमेश्वर दूसरे लोगों को भी अपने बारे में सिखा सके।

बाइबल, परमेश्वर की पवित्र पुस्तक, के बारे में एलेन ने यह लिखा:

“वचन, जवानी और बड़े होने पर यीशु ने पवित्र शास्त्र का अध्ययन किया। एक छोटे बच्चे के रूप में वे प्रतिदिन अपनी माँ की गोद में बैठकर भविष्यद्वक्ताओं के लेखों से सीखते थे। अपनी जवानी में सुबह-सवेरे और शाम के समय वे अक्सर पहाड़ों पर या जंगल के पेड़ों के बीच अकेले पाए जाते थे। वहाँ वे शांत समय प्रार्थना करने और परमेश्वर के वचन का अध्ययन करने में बिताते थे।”

(शिक्षा, पृष्ठ 185)

क्यों न आप भी अपने घर में एक शांत जगह चुनें, जहाँ आप हर दिन कुछ समय परमेश्वर के बारे में सोच सकें?

आप उनके बारे में कोई कहानी पढ़ या सुन भी सकते हैं।

मज़ेदार बातें

अद्भुत मस्तिष्क:

एक अनुमान के अनुसार, मानव मस्तिष्क एक दिन में जितने विचार पैदा करता है:

70,000

आप क्या सोचते हो

आप परमेश्वर के बारे में क्या सोचते हैं?

